यूरिया की किल्लत से किसान परेशान, बोले- फसल में सख्त जरूरत, मांग से आधी हो रही सप्लाई

नीमच। जिले में यूरिया खाद की किल्लत से इन दिनों किसान काफी परेशान है। जिले में जरूरत के मुकाबले यूरिया खाद कम आ रहा हैं। इसके चलते किसानों को खाद के लिए घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। किसान यूरिया की खेप आते किसान उमड़ रहे है। महिलाएं, बच्चियां तक दुकान पर खाद से भरा ट्रक आते ही लाइनों में लग जाते है। एक दो यूरिया के कट्टे के लिए चार - पांच घंटे तक इंतजार करना पड़ता है।

जिले के बाजार मे यूरिया उपलब्ध नही है सिर्फ सहकारी सोसायटी व सरकारी गौदाम मे ही यूरिया खाद उपलब्ध है। वह भी एक किसान को मात्र दो से तीन बेग दिया जा रहा है। सोसायटी दुकानदार का कहना है की जब तक ट्रक से या रेल से रेक नही आ जाती है तब तक यूरिया की कमी रहेगी। अभी रबी फसलों में गेहूं, सरसो मे पानी पिलाने के साथ यूरिया देने से यूरिया की मांग बढ़ गयी है। वही जिन किसानो के सोसायटी मे खाते है, वहाँ पर खरीफ फसलों के ऋण की राशि को जमा करने पर ही रबी सीजन का खाद मिल पाएगा। खरीफ फसलों मे फसलों की पैदावार सही नही होने से बहुत सारे किसान ऋण जमा करने में सक्षम नही है उन्हें बाजार से यूरिया लेना ही है।

मांग के मुकाबले आधा भी नहीं आ रहा

यूरिया लेने के लिए सुबह से लाइन में लगना पड़ता है। उसके बावजूद आधे से ज्यादा किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ा। ये ही स्थिति अन्य गांवों, कस्बों की भी हैं। मांग के मुकाबले आधा भी यूरिया नहीं आ रहा हैं। इससे आधे किसान तो खाली हाथ लौटे है। गांवों से आए किसानों ने कहा कि सरकार को मांग के अनुसार खाद की आपूर्ति बढ़ानी चाहिए, ताकि किसान नियमित रूप से खाद प्राप्त कर सकें। पिपलिया व्यास के किसान का कहना है की मेने अभी तक यूरिया खाद लिया नही है फिर भी मेरे खाते पर यूरिया खाद लेना दिखा रखा है। जबकि मेने खाद लिया ही नही है। ऐसे ही और भी कई किसानों द्वारा अपना काम छोड़कर घंटो लाइन मे खड़ा रहकर यूरिया लेना पड़ रहा है। उधर कृषि विभाग के उपसंचालक पी सी पटेल का कहना है कि जिले में यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। कहीं भी कमी नहीं है। अगर कमी है तो जल्दी ही आपूर्ति कराई जाएगी। यूरिया की कमी किसान नैनो यूरिया से करे। किसान इस भ्रांति को दूर करे कि नैनो यूरिया गुणवत्ता में कम है।

इस तरह मिलाकर करें नैनो यूरिया का इस्तेमाल

एक एकड़ मे 500 मिली लीटर की नैनो यूरिया प्लस की बोतल जिसकी कीमत लगभग 225 रुपए है, इसे 250 लीटर पानी मे मिलाकर (16 लीटर की टंकी मे 2-3 ढक्कन) पहला छिड़काव फसल की 35-40 एवं दूसरा छिड़काव 50-55 दिन की अवस्था में करें। छिड़काव करते ही इस के कण अति सूक्ष्म होने के कारण पत्तियां इसे सोख लेती है एवं जमीन पर नहीं गिरने के कारण पर्यावरण को कोई नुकसान नही पहुंचता है। 500 मिली लीटर नैनो यूरिया प्लस 45 किलो यूरिया के 1 कट्टे के बराबर काम करता है, इस का परिवहन बहुत आसान है।

एक नजर में

इस साल की आखिरी पूर्णिमा 4 दिसंबर 2025 को पड़ रही है। इस दिन गंगा स्नान और दान करना शुभ

नीमच। मार्गशीर्ष पूर्णिमा साल की आखिरी पूर्णिमा होने वाली है। इस तिथि के दिन गंगा स्नान और दान करना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल मार्गशीर्ष पूर्णिमा कब है और इसके महत्व के बारे में। हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि को सबसे उत्तम तिथियों में से एक माना जाता है। पूर्णिमा पूरे साल में 12 आती है। हर पूर्णिमा तिथि का अलग महत्व होता है। पूर्णिमा तिथि के चंद्रमा 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है, इसलिए इस दिन चंद्रमा की पूजा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा करने से मां लक्ष्मी की कृपा साधक पर बनी रहती है। इस तिथि पर स्नान, दान करना विशेष फलदायी माना जाता है। इस तिथि पर विष्णु भगवान की पूजा करने से साधक को सारे कष्टों से मुक्ति मिलती है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा साल की आखिरी पूर्णिमा तिथि होती है। आइए जाने कब दिसंबर में कब है पूर्णिमा और शुभ मुहूर्त के बारे में। साल की आखिरी पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 04 दिसंबर को सुबह 08 बजकर 37 पर होगी। वहीं इस तिथि का समापन 05 दिसंबर को सुबह 4 बजकर 43 पर होगा। ऐसे में इस साल मार्गशीर्ष पूर्णिमा 4 दिसंबर को पड़ेगी। इस साल मार्गशीर्ष पूर्णिमा का व्रत 4 दिसंबर 2025 को रखा जाएगा। इस दिन सुबह 4 बजकर 19 मिनट से सुबह 04 बजकर 58 मिनट ब्रह्म मुहूर्त रहेगा। इस समय में गंगा स्नान करना और दान करना शुभ होगा। पूर्णिमा के दिन शाम 5 :24 बजे से 7 :06 बजे तक प्रदोष काल रहेगा। इस समय में मां लक्ष्मी की पूजा कर सकते हैं। इस दौरान मां लक्ष्मी की पूजा करने से सुख, समृद्धि और वैभव की प्राप्ति होगी। इस साल मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन भद्रा का साया रहने वाला है। इस दिन सुबह में 8 बजकर 36 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 41 मिनट भद्रा काल रहने वाला है, लेकिन इस भद्रा का असर केवल स्वर्गलोक पर होगा धरती लोक पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ओवरलोड वाहनों से परेशान आदिवासी ग्रामीणों ने रोका रास्ता

सिंगोली। सौर ऊर्जा प्लांट के अधिकारियों और कर्मचारियों की मनमानी से ग्रामीण भारी परेशान है जिसके चलते बुधवार सुबह करीब 10 बजे ग्रामीणों ने सौर ऊर्जा प्लांट में जाने वाले वाहनों को रोककर रास्ता जाम कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिंगोली तहसील के ग्राम कोज्या के समीप चल रहे सौर ऊर्जा प्लांट में आने वाले ओवर लोड वाहनों के कारण उड़ती धूल मिट्टी और पंचायत के बने रोड को हो रहे नुकसान से परेशान हो कर चक्का जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि तीन महीने से जारी सौर ऊर्जा प्लांट के कार्य के संबंध में प्रबंधन को बार बार कहने पर भी सौर ऊर्जा प्रबंधन द्वारा बाई पास नहीं बनाने से ओवर लोड वाहन गांव के बीच स्थित चौराहे से होकर निकल रहे हैं।

ओवरलोड वाहनों के कारण स्कूल व छात्रावास में अध्ययनरत नौनिहालों का आना जाना भी मुश्किल हो रहा है तथा बड़ा हादसा होने की संभावना बनी रहती है। ग्रामीणों की मांग है कि सौर ऊर्जा प्रबंधन अपने वाहनों के लिए गांव के बाहर से बायपास रोड का निर्माण करे अन्यथा हमें आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

इनका कहना है

सौर ऊर्जा के ओवरलोड वाहनों से ग्रामीण परेशान है। ओवरलोड वाहन जिस रोड से निकलते हैं उस पर बालिका छात्रावास, स्कूल है जिसके कारण हादसे की आशंका बनी रहती है। वाहनों के लिए बायपास रोड निकाला जाए।
सागरमल खेर सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत कोज्या

सीएमओ बोली -सड़क पर कचरा फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

- **दुकानों-होटलों को स्वच्छ बनाए रखने, प्लास्टिक डिस्पोजल बंद करने की हिदायत**

नीमच। नीमच नगर पालिका सीएमओ दुर्गा बामनिया ने बुधवार को शहर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नीमच सिटी में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही सुधार के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान, सीएमओ ने डॉक बंगले के सामने नाले पर फैले अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए। यहां बड़े त्रिपाल लगाकर स्वेटर और माला बेची जा रही थी। उन्होंने विक्रेताओं को नाले पर अतिक्रमण न करने की हिदायत दी।

सीएमओ ने दुकानों और होटलों को साफ-सफाई रखने, डस्टबिन का इस्तेमाल करने के निर्देश भी दिए।

दुकानों और होटलों को प्लास्टिक के डिस्पोजल का इस्तेमाल बंद करने के निर्देश भी दिए। नीमच सिटी क्षेत्र में सड़क पर बंधे मवेशियों के मालिकों को नोटिस जारी कर उन्हें तुरंत हटाने को कहा गया। सड़क पर कंडे जमाने और कचरा फैलाने वालों को भी सख्त चेतावनी दी गई।

सफाई कर्मचारियों का ड्यूटी रजिस्टर देखने के बाद, सीएमओ ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले और गैरमौजूद रहने वाले कर्मचारियों को नोटिस जारी कर उन्हें कार्य पर न रखने के आदेश दिए।

सीएमओ दुर्गा बामनिया शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर पूरी तरह सख्त हैं और उनका यह अभियान जारी रहेगा। निरीक्षण में उनके साथ स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश टांक, निरीक्षक भारत सिंह भारद्वाज और अविनाश गैंगट भी मौजूद रहे।

बिजली का लाइन लॉस उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है भारी

- **विद्युत नियामक आयोग के तय मानकों पर खरा नहीं उतर रही कंपनियां**

नीमच। प्रदेश मे देश के अन्य राज्यों की तुलना में सबसे महंगी बिजली उपभोक्ताओं को मिल रही है। इसके बाद भी बिजली कंपनियां उसकी दरों को कम करने के उपायों पर काम करने की जगह लगातार बिजली की दरों में वृद्धि पर जोर देती रहती है। इसकी सबसे बड़ी वजह है, लाइन लॉस को कम करने में बिजली कंपनियों का असफल रहना। इस मामले में तीनों कंपनियां विद्युत नियामक आयोग द्वारा तय मानकों तक पर भी खरा नहीं उतर रही हैं। हालत यह है कि ट्रांसमिशन लॉस आयोग द्वारा तय किए गए लॉस से अधिक हो रहा है। यही वजह है कि बिजली कंपनियों को अधिक बिजली खरीदनी पड़ रही है। अतिरिक्त बिजली खरीदी से कंपनियों को 3 हजार करोड़ से अधिक का नुकसान उठाना पड़ा है। दरअसल शहर हो या गांव सभी जगह झुग्गियों में जमकर अवैध रुप से बिजली का उपयोग किया जा रहा है। इसके बाद भी बिजली कंपनियों का अमला उन पर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं दिखाता है। इसके उलट ईमानदार उपभोक्ताओं के खिलाफ सख्ती दिखाकर अपनी पीठ जरुर थपथपा लेता है।

अगर जिले की ही बात की जाए तो दर्जन भर से अधिक ऐसी बस्तियां हैं, जहां पर खंभो या फिर ट्रांसफार्मर से सीधे बिजली के तार डालकर दिन रात बिजली चोरी की जाती है। इस मामले में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने जरुर अपने लॉस को कम किया है, जिससे कंपनी ने 861.28 मिलियन यूनिट बिजली की बचत की है। गौरतलब है कि तीनों बिजली कंपनियों ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिजली के वास्तविक आंकड़ों से संबंधित याचिका मप्र विद्युत विनियामक आयोग में लगाई है। इसमें बिजली कंपनियों ने अपना ट्रांसमिशन लॉस की जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि ट्रांसमिशन लॉस की वजह से मध्य और पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को अतिरिक्त बिजली खरीदना पड़ी।

यह है ट्रांसमिशन लॉस

ट्रांसमिशन लॉस आपूर्ति की गई बिजली और बिल किए गए बिजली के बीच का अंतर है, उदाहरण के लिए यदि 10 यूनिट ऊर्जा की आपूर्ति की जाती है, और बिल केवल 8 यूनिट का बनता है, यानी केवल 8 यूनिट उपभोक्ताओं के मीटर तक पहुंचती है। उपभोक्ता तक पहुंचने में 2 यूनिट बिजली नष्ट हो जाती है। यह वितरण घाटा कहलाता है। वितरण घाटे के लिए मुख्य रूप से बिजली चोरी और बिजली के ट्रांसमिशन में टूट-फूट को जिम्मेदार ठहराया जाता है।

विश्व दिव्यांग दिवस पर काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

नीमच। विश्व दिव्यांग दिवस पर बुधवार को जिले के दिव्यांगजन सरकार की वादा खिलाफी और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ सड़क पर उतर आए। जिला मुख्यालय पर दिव्यांग ज्योति सेवा संस्था के नेतृत्व में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया गया। संस्था अध्यक्ष रामप्रकाश बलदेवा जांगिड़, उपाध्यक्ष तुलसीराम मेघवाल और कोषाध्यक्ष राधा ग्वाला ने कहा कि वर्तमान सरकार ने चुनावी घोषणा पत्र में प्रदेश के 18 लाख दिव्यांगजन की सामाजिक सुरक्षा पेंशन 600 से बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह करने का वादा किया था, लेकिन सरकार बने 29 महीने बीत जाने के बाद भी यह वादा आज तक पूरा नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट तक पेंशन बढ़ाने के निर्देश दे चुका है, इसके बावजूद शासन ने किसी प्रकार की वृद्धि नहीं की, जिससे दिव्यांग समुदाय में गहरी निराशा और रोष है। संस्था पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि एयरपोर्ट रोड, नीमच पर मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए 20 वर्ष पहले आवंटित भूमि पर आज तक आवासीय विद्यालय का निर्माण न होना गंभीर उपेक्षा को दर्शाता है, जिसके कारण बच्चों के अभिभावकों को बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दिव्यांग पार्क निर्माण का मुद्दा भी प्रदर्शन में प्रमुखता से उठाया गया।

विश्व दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगों के सामर्थ्य प्रदर्शन के लिए

नीमच। विश्व दिव्यांग दिवस पर मंगलवार को जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन शा .बा .उ .मा .वि .क्र .2 नीमच के परिसर में किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जि .प .अध्यक्ष सज्जनसिह चौहान, न .पा .अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा, जिला अध्यक्ष वंदना खण्डेलवाल, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया। तदपश्चात उप संचालक सामाजिक न्याय पराग जैन, एसडीएम संजीव साहू, सुश्री अभिलाषा शर्मा, डीईओ श्री एस .एम .मांगरिया, सुश्री खुमान कुंवर, सुनील तिवारी आदि ने अतिथियों को तुलसी का पौधा भेटकर स्वागत किया। दिव्यांग सामाजिक सेवा संस्थान के कलाकरों ने संगीतमय मधुर भजनों का गायन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष चौहान, कलेक्टर चंद्रा एवं अतिथियों ने हरी झण्डी दिखाकर दिव्यांगजनों के सामर्थ्य प्रदर्शन के लिए खेलकूल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि आदित्य मालू, हेमंत हरित, नीलेश पाटीदार, लोकेश चांगल, दिव्यांग संगठनों के पदाधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी, रेडक्रास कर्मचारी एवं बडी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित थे।

खाद्य विभाग द्वारा मनासा की एक दुकान से दो घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग नीमच के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मनासा जितेन्द्र नागर द्वारा मेसर्स विजय रेस्टोरेंट रामपुरा नाका मनासा से दो नग घरेलू गैस सिलेण्डर का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर जप्त कर, संबंधितों के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जिला आपूर्ति अधिकारी आर .एन .दिवाकर ने बताया, कि जिले में होटलों, संस्थानों, रेस्टोरेंटो में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग तथा वाहनों में अवैध रूप से रिफलिंग किये जाने वालों के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए नीमच के 6 खिलाड़ी रवाना

नीमच। शहर के लिए गौरव का क्षण है, स्विमफ्लाय स्पोर्ट्स क्लब, नीमच के छह खिलाड़ी मॉडर्न पेंटाथलॉन बायथले ट्रायथले वर्ल्ड चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार सुबह नीमच से मुंबई के लिए रवाना हुए। मुंबई से यह दल 4 दिसंबर को दक्षिण अफ्रीका के लिए उड़ान भरेगा, जहाँ खिलाड़ी टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खिल्कब के मेंटर प्रभु मूलचंदानी का रणनीतिक मार्गदर्शन और लगातार प्रयास प्रमुख रहा। इसके साथ ही मोटिवेटर राकेश कोठारी, डॉ. मनीष चमड़िया, डॉ. नरेंद्र कुमावत (फिजियो), मयंक कटारिया, नितेश शर्मा और धीरेंद्र गहलोत की विशेषज्ञता और सहयोग ने खिलाड़ियों की फिटनेस, मानसिक मजबूती और तकनीकी कौशल को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाया। प्रशिक्षण दिलाने में कोच समीर सिंह जादौन, आयुष गौड़, नीलेश घावरी, सुधा सोलंकी, अभिषेक अहीर और रोहित अहीर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एक नजर हाइवे से लेकर गली-मोहल्ले में परेशानी, नियमों का नहीं ध्यान

रफ्तार रोकने बना दिए अमानक स्पीड ब्रेकर, झटके बढ़ा रहे कमर दर्द

नीमच। कभी गलियों में तो कभी सपाट सडक़ों पर स्पीड ब्रेकर के झटके लोगों को कमर दर्द का मरीज बना रहे हैं। सर्वाइकल की बीमारी की जड़ बन रहे हैं। रात में ये ब्रेकर सबसे ज्यादा खतरनाक होते हैं और हर समय बड़े हादसे का खतरा रहता है। मानकों के विपरीत बनाए गए यह स्पीड ब्रेकर जनता के लिए सिरदर्द बन गए हैं।

महू रोड, मनासा रोड, गली-मोहल्ले में सडक़ों पर नियम को दरकिनार कर ब्रेकर बीमारी की वजह बन रहे हैं। इससे जहां पीठ दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, वही इससे वाहनों की रिपेयरिंग का खर्च भी बढ़ा है। नियमानुसार हाइवे या गलियों में कहीं भी स्पीड ब्रेकर बनाने का नियम नहीं है। बेहद जरूरी होने पर मामला जिला यातायात सुरक्षा समिति के पास जाता है और उसके अनुमोदन के बाद ही निश्चित मापदंड के अनुरूप ब्रेकर बनवाए जाते हैं। कुछ जगह तो इसका पालन हुआ, लेकिन अधिकतर जगहों पर मापदंड का ध्यान नहीं रखा गया। 12 से 18 इंच चौड़े और 15 इंच तक ऊंचे ब्रेकर बना दिए गए। हालांकि ब्रेकर बनाने के पीछे उद्देश्य वाहनों की रफ्तार को रोकना था, लेकिन इसने बीमारी को ही बढ़ावा दे दिया।

गर्भवती महिलाओं व बुजुर्गों के लिए घातक - अमानक और ऊंचे ब्रेकर खासतौर पर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों के लिए घातक हैं। इससे मिलने वाले झटके दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है। डॉक्टरों का कहना है कि ब्रेकर के झटके से गर्भवती महिलाओं को नुकसान हो सकता है। क्वालिटी और नियम विरुद्ध बने स्पीड ब्रेकर्स से गुजरने पर वाहन चालकों की रीढ़ की हड्डी को झटका लगता है। इससे हड्डी क्रेक या मसल्स डैमेज हो सकती है जो धीरे-धीरे करके कुछ दिनों बाद कमर दर्द के रूप में सामने आती है।

वाहनों पर भी पड़ रहा असर - अमानक स्पीड ब्रेकर की वजह से बाइक, कार के चक्कों एवं सॉकर पर भी प्रभाव पड़ रहा है। मैकेनिक राधेश्याम ने बताया कि स्पीड ब्रेकर की वजह से वाहनों पर असर पड़ रहा है। काफी संख्या में गाडियां आ रही हैं।

युवाओं की रफ्तार परेशानी - बाजार में तेज स्पीड के वाहन मिलने लगें हैं जो युवाओं का शौक बना हुआ है। यही वजह है कि युवा नगर की सड़कों पर तेज गति से वाहन चला रहे हैं, यातायात नियमों की जानकारी न होने और संकेतक बोर्ड और स्पीड ब्रेकर नहीं होने के कारण दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। जानकारों का कहना है कि स्पीड ब्रेकर बहुत जरूरी है, लेकिन वह मापदंड के अनुसार होने चाहिए। वाहनों की गति पर ब्रेक तभी लग सकता है।

इनका कहना

यह बात सही है कि स्पीड ब्रेकर की वजह से कमर दर्द एवं सर्वाइकल के मरीज बढ़ रहे हैं। कई बार तो ऑपरेशन तक की नौबत आ जा रही है। हां यह भी है कि नियम के अनुसार ही स्पीड ब्रेकर हो तो फिर सही है।
- डॉ. दीपक सिंघल, हड्डी रोग विशेषज्ञ